पीयूष गोयल
(उपभोक्ता मामले खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री)
जीवन वृत्त

पीयूष गोयल (57) वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री तथा राज्यसभा के उप नेता हैं।

वे भारत की संसद के ऊपरी सदन (राज्य सभा) के सदस्य हैं तथा राज्य सभा में उपनेता हैं। विगत में वे रेल तथा कोयला मंत्रालय में (2017-19) मंत्री थे। उनके पास वर्ष 2018 और 2019 में दो बार वित्त तथा कारपोरेट कार्य मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार भी था। इसके पूर्व, वे विद्युत, कोयला, नवीन और

नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (2014-2017) तथा खान मंत्रालय (2016-17) में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) थे।

श्री गोयल के कार्यकाल में वर्ष 2018-19 में रेलवे ने सुरक्षा के संबंध में सर्वोच्च रिकॉर्ड बनाया है। यह उपलब्धि ब्रॉड गेज नेटवर्क से अनमैन्ड लेवल क्रॉसिंग को हटाकर सुरक्षित कोच आदि का अधिक उत्पादन करने जैसे उत्कृष्ट उपाय करके हासिल की गई है। इसके अलावा, श्री गोयल की अगुवाई में दिल्ली और वाराणसी के बीच प्रथम स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड ट्रेन **वंदे भारत एक्सप्रेस** की शुरुआत हुई।

विद्युत, कोयला तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने भारत के विद्युत क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए जिनमें देश में कुछ दूर दराज और दुर्गम भागों में लगभग 18,000 ग्रामों में तेजी से विद्युतीकरण करना, विद्युत क्षेत्र में अत्यंत व्यापक सुधार (यूडीएवाई) लागू करना, ऊर्जा दक्षता के लिए विश्व के सबसे विशाल एलईडी बल्ब वितरण कार्यक्रम (उजाला) को सफल बनाना तथा विश्व के विशालतम नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार कार्यक्रम के जरिए नवीकरणीय ऊर्जा का व्यापक प्रसार करना शामिल है। उनकी अन्य उपलब्धियों में भारत की ऊर्जा सुरक्षा में सुधार करने के लिए कोयले की कमी को दूर करना और कोयला ब्लॉकों की पारदर्शी ई-नीलामी सफलतापूर्वक करना शामिल है। उन्हें वर्ष 2018 में **चतुर्थ वार्षिक कारनोट पुरस्कार** भी प्राप्त हुआ था जिसमें भारत के ऊर्जा क्षेत्र में नवीन परिवर्तनों को पहचान मिली थी।

अपने 35 वर्ष के लंबे राजनीतिक जीवन के दौरान श्री गोयल ने विश्व की विशालतम राजनीतिक पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और इसकी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विभिन्न स्तरों पर कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वे अपनी पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष भी रहे हैं। वर्ष 2019 में भारत के आम चुनावों में वे घोषणा-पत्र

और प्रचार समिति के सदस्य थे। उन्होंने भारत के वर्ष 2014 के आम चुनाव के लिए बीजेपी की सूचना प्रसार अभियान समिति की अध्यक्षता भी की थी।

श्री गोयल का शैक्षिक रिकार्ड अत्यंत प्रतिभाशाली रहा है – अखिल भारत स्तर पर चार्टर्ड लेखाकार में वे द्वितीय रैंक धारक हैं तथा मुंबई विश्वविद्यालय में कानून की पढ़ाई में भी उन्होंने द्वितीय स्थान हासिल किया था। वे विख्यात निवेश बैंकर थे तथा उन्होंने प्रबंधन कार्यनीति और विकास में शीर्ष कंपनियों को परामर्श दिए हैं। उन्होंने भारत के विशालतम वाणिज्यिक बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा के बोर्ड में भी सेवा प्रदान की है। उन्हें भारत सरकार द्वारा वर्ष 2002 में नदियों को आपस में जोड़ने के लिए गठित कार्यबल में भी नामित किया गया था।

उनके पिता, स्व. श्री वेद प्रकाश गोयल जहाजरानी मंत्रालय में केंद्रीय मंत्री थे तथा दो दशकों से भी अधिक समय तक **बीजेपी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष** थे। उनकी माता चंद्रकांता गोयल मुंबई से महाराष्ट्र विधान परिषद के लिए तीन बार चुनी गई थीं। उनकी पत्नी का नाम श्रीमती सीमा है जो एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता हैं तथा ध्रुव और राधिका उनकी दो संतान हैं, जिन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका से स्नातक किया है।